टाइगर रजिर्व के प्रभावी प्रबंधन में सतपुड़ा रजिर्व देश में द्वितीय तथा कान्हा रजिर्व पाँचवें स्थान पर

चर्चा में क्यों?

9 अप्रैल, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के मैसूर में प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन **(MEE)** के पाँचवें दौर की सारांश रपिोर्ट जारी की, जसिमें देश के 51 टाइगर रजिर्व में टॉप 5 टाइगर रजिर्व में सतपुड़ा टाइगर रजिर्व को द्वतिीय एवं कान्हा रजिर्व को पाँचवां स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बदुि

- उल्लेखनीय है कि पहिले स्थान पर केरल का पेरयिार टाइगर रजिर्व रहा। उसका प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन स्कोर 94.38% रहा। वहीं दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश का सतपुड़ा टाइगर रजिर्व और तीसरे स्थान पर कर्नाटक के बांदीपुर टाइगर रजिर्व रहा। दोनों का प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन स्कोर 93.18% रहा।
- इसके अलावा मध्य प्रदेश के बालाघाट के कान्हा टाइगर रजिर्व को पाँचवां और सविनी के पेंच टाइगर रजिर्व को आठवां रैंक मलिा है।
- सतपुड़ा टाइगर रजिर्व को यह रैंक बेहतर प्रबंधन, कार्य, बेहतर टीम के चलते प्राप्त हुआ है।
- इस रपिोर्ट में वर्ष 2022 में अधसिूचति रामगढ़ वषिधारी टाइगर रजिर्व (राजस्थान) और रानीपुर टाइगर रजिर्व (उत्तर प्रदेश) को शामलि नहीं कयिा गया है। वर्तमान में देश में कुल 53 टाइगर रजिर्व हैं।
- गौरतलब है कि प्रबंधन प्रभावशीलता और मूल्यांकन थर्ड पार्टी असेसमेंट है, जो 4 साल में एक बार अपने सर्वे कर आँकड़े जारी करती है। सर्वे में मूल्यांकन टीम दस्तावेज़ों, जमीनी कार्य, फील्ड स्टाफ और हतिधारकों के साथ बातचीत, वन्यजीवों की वृद्धि और सुरक्षा और प्रबंधन प्रणालयिों के स्तर का मूल्यांकन करती है।
- समुदाय, पर्यटन को सुव्यवस्थति करना, पार्क और जानवरों दोनों के लयि बेहतर बुनयिादी ढाँचे के साथ-साथ सक्रयि वन्यजीव प्रबंधन कुछ ऐसे ही मापदंड हैं, जनिके आधार पर पार्क को आँका जाता है।
- **सतपुड़ा टाइगर रजिर्व**
  - नर्मदापुरम ज़लि में स्थति सतपुड़ा टाइगर रजिर्व 2130 वर्ग कलिोमीटर में फैला है। यह डेक्कन बायो-जयिोग्राफकि क्षेत्र का हस्सिा है। अभूतपूर्व प्राकृतकि सौंदर्य से भरपूर यह देश की प्राचीनतम वन संपदा है, जो बड़ी मेहनत से संजोकर रखी गई है।
  - हमिालय के क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पतयिों की कुछ प्रजातयिाँ और दक्षणि के वनों में पाई जाने वाली कुछ प्रजातयिाँ, सतपुड़ा टाइगर रजिर्व के वन क्षेत्र में भी भरपूर पाई जाती है। कुछ प्रजातयिाँ जैसे कीटभक्षी घटपर्णी, बाँस, हसिालू, दारूहल्दी सतपुड़ा और हमिालय दोनों जगह मलिती हैं।
  - सतपुड़ा की पहाड़ी श्रृंखला में 1500 से 10 हज़ार वर्ष पुराने 50 शैलाश्रय हैं। प्राकृतकि महत्त्व के साथ इनका पुरातात्त्वकि महत्त्व भी है। इस प्रकार सतपुड़ा टाइगर रजिर्व देश के मध्य क्षेत्र के इकोसस्टिम की आत्मा है।
  - यहाँ अकाई वट, जंगली चमेली जैसी वनस्पतयिाँ भी हैं, जो अन्यत्र नहीं या बहुत कम पाई जाती हैं। वनस्पतयिों के अतरिक्ति 14 ऐसे वन्य-जीव हैं जनिका जीवन आज खतरे में हैं, फरि भी यहाँ उनका रहवास बना हुआ है, जैसे- उड़न गलिहरी।
  - बाघों की उपस्थति और उनके प्रजनन क्षेत्र के रूप में सतपुड़ा टाइगर रजिर्व प्रसदि्ध है। यह रजिर्व बाघों की अच्छी उपस्थति वाले मध्य भारत के क्षेत्रों में से एक है।
  - देश के बाघों की संख्या का 17 प्रतशित और बाघ रहवास का 12 प्रतशित क्षेत्र सतपुड़ा में आता है।
  - सतपुड़ा टाइगर रजिर्व एक प्रकार से हमिालय और पश्चमिी घाट के बीच वन्य-जीव की उपस्थति का सेतु बनाता है। यह मालाबार व्हसिलगि थ्रश अर्थात कस्तूरा पक्षी, दूधराज, मालाबार पाइड हार्नबलि अर्थात धनेश पक्षी के लयि भी आदर्श रहवास है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/in-effective-management-of-tiger-reserve,-satpura-reserve-is-second-in-the-country-and-kanha-reserve-is-fifth